I.C.S.E

कक्षा : X (2017)

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.

You will not be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

*This Paper comprises of two sections ; **Section A** and **Section B.***

*Attempt **All** the questions from **Section A.***

*Attempt any **four** questions from **Section B**, answering at least **one** question each from the **two** books you have studied and any **two** other questions.*

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION – A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं तथा हमारी सच्ची मित्र एवम् गुरु भी होती है। हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको पसंद क्यों आई आपने उससे क्या सीखा?

2. 'पर्यावरण है तो मानव है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं? विस्तार से लिखिए।

3. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।

4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

5. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) आपके क्षेत्र में एक ही साधारण सा सरकारी अस्पताल है, जिसके कारण आम जनता को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन

परेशानियों का उल्लेख करते हुए, एक और सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

(ii) ओलम्पिक में अपने देश के बढ़ते कदम देख कर आपको बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष के ओलम्पिक की उपलब्धियों को बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, “महाराज के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।” यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से जरुरतमंदो की भीड़ राजमहल में उमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्‌गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाजे पर पहुँचे। द्‌वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच-पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, “भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।” बूढ़े सज्जन ने कहा, “असल मे मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरुरतमंदो को मिल जाए।”

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, “मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूँ।” इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कन्धों पर ले ली और बूढ़े के पीछे-पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले - “बाबा, कहाँ चले गए थे?” बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, “घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है?” वह बोला, “लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।” वह अजनबी बोला, “भाई जी धन्य है आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।”

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, “इनके सामने दंडवत प्रणाम करों।” और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, “आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।” “नहीं यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फ़र्ज है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।”

1. राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे और उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला? [2]
2. राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों [2]
3. बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]
4. बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की? [2]
5. इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [2]

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
   - आनंद
   - पुत्र
   - राक्षस

2. निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए : [1]
   - आलस्य
   - सदाचार
   - सामिष
   - कृत्रिम

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कीजिए : [1]
   - प्रतिस्टा
   - ग्रन्थ
   - परीस्थती

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]
   अपना उल्लू सीधा करना, हाथ मलना।

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :
   (a) विद्यार्थी को <u>जानने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए</u>। [1]
   (रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिये।)

   (b) इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है। [1]
   ('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)

(c) रात में सर्दी बढ़ जाएगी। [1]
(अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए)

(d) <u>अन्याय</u> का सब विरोध करते हैं। [1]
(रेखांकित का विशेषण लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए)

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(**साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ**)

(**Sahitya Sagar – Short Stories**)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखे खुल गई थीं।"

[बात अठन्नी की - सुदर्शन]

[Baat Athanni Ki - Sudarshan]

1. किसे कौन फँसा रहा था? उसने क्या अपराध किया था? [2]
2. रसीला कौन है? उसका परिचय दीजिये। [2]
3. हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए। [3]

4. इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए? समझाकर लिखिए। [3]

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.......' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।"

[नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश]

[Netaji Ka Chasma – Swayam prakash]

1. मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी। [2]
2. यह मूर्ति किसने बनाई थी और इसकी क्या विशेषताएँ थी? [2]
3. मूर्ति में क्या कमी थी? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे? [3]
4. नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्धेश्य रहा होगा? क्या उस उद्धेश्य में सफलता प्राप्त हुई? स्पष्ट कीजिए। [3]

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"बड़े भोले हैं आप सरकार ! अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर ये तो सियार है।"

[भेड़े और भेड़िए - हरिशंकर परसाई]

[Bhede Aur bhedeya – Hari Shankar Parsai]

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे क्यों कह रहा है? [2]
2. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप किस प्रकार बदला? [2]
3. बूढ़े सियार ने किन तीन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा? क्यों कहा?[3]
4. सियारों को किन-किन रंगों में रंगा गया? वे किसके प्रतिक थे? इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

“मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।”

[मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना]

[Megh Aaye – Sarveshwar Dayal Saxena]

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]
2. ‘बयार’ शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]
3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]
4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पायँ।"
बलिहारी गुरु अपनो जिन गोविंद दियौ बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

[साखी – कबीर दास]
[Sakhi – Kabir Das]

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]
2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]
3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]
4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

[मातृ मंदिर की ओर – सुभद्रा कुमारी चौहान]
[Matri Mandir Ki Or – Subhadra Kumari Chauhan]

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]
2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]
3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]
4. प्रस्तुत पद्यांश में कवियित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

नया रास्ता (सुषमा अग्रवाल)

(Naya Rasata – Sushma Agarwal)

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"माँ को लगा, शायद अमित सरिता के रिश्ते को तैयार नहीं है। इसलिए वह बोली", "बेटे, व्यवहार का तो किसी का भी पता नहीं है। न सरिता के बारे में ही कुछ कहा जा सकता है और न ही मीनू के बारे में व्यवहार का तो साथ रहने पर ही पता चलता है।"

1. माँ को कैसे पता चलता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं? [2]
2. अमित के पिता मायाराम जी सरिता के रिश्ते को क्यों नहीं स्वीकार करना चाहते है? [2]
3. अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ किसको और क्यों उकसाती है? माँ की ऐसी धारणा से उनके स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है? समझाकर लिखिए। [3]

4. शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। [3]

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ है। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया। उसे देखकर अमित के मुरझाये चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई।"

1. मीनू अमित को देखने कहाँ गई थी? जाते समय वह मन में क्या सोच रही थी? [2]
2. कमरे में प्रवेश करते ही उसने क्या देखा? अमित की माँ ने मीनू से क्या पूछा? उसने क्या उत्तर दिया? [2]
3. मीनू के वकालत पास करने पर अमित की माँ को विशेष खुशी क्यों हो रही थी? क्या उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिये। [3]
4. मीनू के हृदय में बचपन से ही किसके प्रति दया की भावना थी? वह उनकी किस प्रकार सहायता करने का निश्चय कर रही है? [3]

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अमित का नाम सुनते ही दरवाजे की ओर पीठ किए बैठी मीनू ने मुड़कर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गई। मीनू जब भी अमित को देखती, उसके मन में अजीब सी घृणा उत्पन्न हो जाती। अमित व उसके सभी मित्र वहाँ आ चुके थे परन्तु मीनू अभी भी सोच में डूबी हुई थी।

1. मीनू इस समय कहाँ थी? वहाँ अमित से उसकी कैसे मुलाकात हो गई?[2]
2. मीनू और अमित के बीच क्या सम्बन्ध था? वह उससे घृणा क्यों करती थी? [2]
3. उसे वहाँ किस सच्चाई का पता चला? उन बातों का उसपर क्या प्रभाव पड़ा? [3]
4. "मीनू परिस्थितियों से हार मानने वाली कोई साधारण नारी नहीं थी" - स्पष्ट कीजिए कि उसने अपने जीवन को कैसे नई दिशा दी? [3]

एकांकी संचय

(Ekanki Sanchay)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

[बहू की विदा - विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida – Vinod Rastogi]

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]
2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।[2]
3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]
4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान से छूट गया, उसे बीच में लौटाया नहीं जा सकता। मेरी प्रतिज्ञा कठिनाई से पूरी होगी, यह मैं जानता हूँ और इस बात की हाल के युद्ध में पुष्टि भी हो चुकी है कि हाड़ा जाति वीरता में हम लोगों से किसी प्रकार हीन नहीं है।"

[मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण 'प्रेमी']

[Matri Bhoomi Ka Man – Hari Krishna 'Premi']

1. उपरोक्त कथन के वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]
2. वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? कारण सहित लिखिए। [2]
3. हाड़ा वंश के राजा कौन थे? हाड़ा लोगों की क्या विशेषताएँ थीं? उनपर प्रकाश डालिए। [3]
4. 'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - इस कहावत का क्या अर्थ है? एकांकी के सन्दर्भ प्रकाश डालिए। [3]

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेरी आकाँक्षा है कि डालियाँ साथ-साथ फलें-फूलें, जीवन की सुखद, शीतल वायु के स्पर्श से झूमें और सरसराएँ। विटप से अलग होने वाली डाली की कल्पना ही मुझे सिहरा देती है।"

[सूखी डाली – उपेन्द्र नाथ 'अश्क']

[Sookhi Dali – Upendra Nath 'Ashk']

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे किस संदर्भ में कह रहा है? [2]
2. सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से क्या आशय है? 'डालियाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? [2]
3. किसकी आकांक्षा है कि सब खुशहाल रहें और क्यों? इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]
4. प्रस्तुत कथन से वक्ता की किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है? अपने विचार भी प्रस्तुत कीजिये। [3]

Solution

I.C.S.E

कक्षा : X (2017)

हिन्दी

समय: 3 घंटे **पूर्णांक : 80**

Answers to this Paper must be written on the paper provided separately.
You will not be allowed to write during the first 15 minutes.
This time is to be spent in reading the question paper.
The time given at the head of this Paper is the time allowed for writing the answers

---

This Paper comprises of two sections ; ***Section A*** *and* ***Section B.***
Attempt ***All*** *the questions from* ***Section A.***
Attempt any ***four*** *questions from* ***Section B****, answering at least* ***one*** *question each from the* ***two*** *books you have studied and any* ***two*** *other questions.*
The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [ ].

SECTION - A (40 Marks)

Attempt all questions

Q.1 Write a short composition in Hindi of approximately 250 words on any one of the following topics : [15]

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 250 शब्दों में संक्षिप्त लेख लिखिए :

1. पुस्तकें ज्ञान का भंडार होती हैं तथा हमारी सच्ची मित्र एवम् गुरु भी होती है। हाल ही में पढ़ी गई अपनी किसी पुस्तक के विषय में बताते हुए लिखिए कि वह आपको पसंद क्यों आई आपने उससे क्या सीखा?

   पुस्तक ज्ञान का अकूत भंडार ही नहीं हमारे सच्चे मित्र भी हैं। पुस्तक के बगैर ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। पुस्तकें तो सर्वत्र सहजता से उपलब्ध हो जाती हैं। ज्ञान का महत्त्वपूर्ण स्रोत हैं- पुस्तकें। आज संसार की प्राचीनतम पुस्तकें भी हमें उपलब्ध हैं। प्रत्येक भाषा में विपुल

साहित्य उपलब्ध है। प्रत्येक मनुष्य अपनी क्षमता के अनुसार अध्ययन करके अपने ज्ञान क्षितिज का विस्तार कर सकता है।

हाल ही मैं मैंने बेबी हालदार की जीवनी पढ़ी कि किस तरह अपने पति के अत्याचारों से तंग आकर वह अपना घर अपने नन्हें-नन्हें बच्चों के साथ छोड़ देती है और घरेलु नौकरानी बन जाती है। अलग हो जाने के बाद अपने अस्तित्व के लिए संघर्ष, बच्चों का पालन-पोषण वह कैसे करती है। वहीँ एक घर में काम करने पर उसे घर के मालिक उसे हर प्रकार की सहायता देते हैं और लिखने के लिए प्रेरित करते हैं। उन्हीं के कारण दिन-भर काम में जुटी रहने के बावजूद जितना भी समय उसे मिलता वह अपने बचपन से लेकर वर्तमान तक कि बातों का लेखा-जोखा लिखती रहती। बेबी हालदार की कहानी अपने आप में एक मिसाल है कि मनुष्य चाहे तो क्या नहीं कर सकता। बेबी हालदार के जीवन में कई कठिनाइयाँ आईं पर उसने अपने जीवन से हार नहीं मानी और सारी जिम्मेदारियों को पूरा करते हुए एक सफल लेखिका भी बनी।

2. 'पर्यावरण है तो मानव है' विषय को आधार बनाकर पर्यावरण सुरक्षा को लेकर आप क्या-क्या प्रयास कर रहे हैं? विस्तार से लिखिए।

पर्यावरण शब्द का अर्थ होता है - हमारे चारों ओर का आवरण। पर्यावरण का सीधा संबंध प्रकृति से है। अपने परिवेश में हम तरह-तरह के जीव-जन्तु, पेड़-पौधे तथा अन्य सजीव-निर्जीव वस्तुएँ पाते हैं। ये सब मिलकर पर्यावरण की रचना करते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन को प्रभावित ही नहीं बल्कि हमारी उस पर निर्भरता है। हम बिना पर्यावरण के इस संसार की कल्पना भी नहीं कर सकते। पर्यावरण है तो हम हैं। मानवीय हस्तक्षेप के कारण दिन-प्रति-दिन नुकसान पहुँचता जा रहा है। लोग इसके प्रति थोड़ा भी जागरूक नहीं है। पर्यावरण को बचाना है तो इसके लिए सबसे जरुरी है लोगों को पर्यावरण के प्रति सचेत और जागरूक करना। मैं अपनी और से इसी के लिए कार्य करना चाहूँगा। पर्यावरण को लेकर मैं अपने विद्यालय के शिक्षक और बच्चे मिलकर कई कार्य करते हैं। पर्यावरण की सुरक्षा तभी संभव है जब लोग इसके फायदे ओर नुकसान से परिचित होंगें

ओर इसलिए हमारे विद्यालय से नेचर रक्षक नामक एक संस्था बनाई है जो इसी दिशा में कार्य करती है। हम हर महीने आसपास की सोसायटियों में जाते हैं और स्थानीय रहिवासियों को पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूक करते हैं। हम उन्हें समझाते हैं कि यदि वे अपने आने वाली पीढ़ी को एक अच्छा भविष्य देना चाहते हैं तो वह उपहार होगा पर्यावरण। हम घर- घर जाते हैं और लोगों को जल की बर्बादी न करने की सलाह देते हैं। हम पानी का उपयोग कम-से-कम कैसे करें यह उन्हें समझाते है। प्लास्टिक के अन्य विकल्पों के उन्हें जानकारी देते हैं। हम हर तीन महीने में वृक्षारोपण करते है न केवल रोपण पर उन वृक्षों की देखभाल भी करते हैं। इस तरह से मैं और मेरा विद्यालय अपनी संस्था द्वारा पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य कर रहें हैं।

3. कम्प्यूटर तथा मोबाइल मनोरंजन के साथ-साथ हमारी जरूरत का साधन अधिक बन गए हैं। हर क्षेत्र में इनसे मिलने वाले लाभों तथा हानियों का वर्णन करते हुए अपने विचार लिखिए।

कंप्यूटर तथा मोबाइल आज लोगों के जीवन की प्राथमिक आवश्यकता बन चुका है। कम्प्यूटर कम समय में एक से अधिक कार्य संपन्न कर सकता है। ये कम समय खर्च करते हुए अकेले ही कई इंसानों के बराबर काम करने के योग्यता रखता है। आज मानव की कंप्यूटर तकनीक पर अत्यधिक निर्भरता बढ़ती जा रही है। कोई भी अपने जीवन की कल्पना बिना कंप्यूटर के नहीं कर सकता, क्योंकि इसने हर जगह अपने पैर पसार लिये है और लोग इसके आदि बन चुके है।

आज इंटरनेट ने दुनिया को जोड़ने का कार्य किया है। लोग मेल के माध्यम से अपने राज्य या देश से अन्य राज्य या देश में स्थिति कार्यालय से संपर्क स्थापित कर सकते हैं। इससे आने जाने में समय नष्ट नहीं होता और कार्य सुचारू रूप से चलता रहता है। आज इंटरनेट पर देश-विदेश की जानकारी, खेल, मौसम, फ़िल्म, विवाह करवाने, नौकरी

करने, टिकट बुकिंग, खरीदारी सब-कुछ बड़ी सहजता से संभव हो जाता है। बैंको, बिल, सूचना संबंधी आवश्यकताओं के लिए लोगों को लंबी कतार में खड़े होने की आवश्यकता नहीं रही है। सब कंप्यूटर के माध्यम से किया जा सकता है। ई कॉमर्स और ई बाजार की दिनानुदिन बढ़ती लोकप्रियता ने सेवा प्रदाताओं और उपभोक्ताओं के बीच की दूरी को मिटा दिया है। ई बैंकिंग ने बैंकिंग सेवाओं को खाताधारकों के द्वार तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई है। इसका दुरुपयोग भी होता है- वाइरस,अश्लील तस्वीरें भेजना, बैंक में से पैसे निकाल लेना आदि।

अब यदि मोबाइल की बात करें तो इसके कई सारे फायदे मल्टीटास्किंग है कई सारे काम हम इसके जरिए आसानी से कर पाते हैं।

संवाद के लिए सबसे अच्छा साधन है हम कोसों दूर रहने वालों से भी पलक झपकते ही बात कर सकते हैं। जिन से हम मिल नहीं सकते उन्हें भी हम इस सेवा द्वारा आमने - सामने देखकर बातें कर पाते हैं।

ये हमारा ज्ञान बढ़ाने में भी उपयुक्त है इसके जरिए हम घर बैठे भी कई नए विषयों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। मोबाइल के फायदे तो हैं ही पर सके साथ कई नुक्सान भी जुड़ें हैं-

आजकल के विद्यार्थी पढ़ने के बजाय घंटों फोन पर लगे रहते हैं। बच्चे दिनभर मोबाइल में या कम्प्यूटर पर अपनी आँखों को गड़ाए रहते जिससे आँखों पर विपरीत प्रभाव पड़ता है कम्प्यूटर और मोबाइल के कारण एक ही जगह पर बैठने से कई बच्चे मोटापे के शिकार होते जा रहे है। खेल-कूद में उनकी अरुचि हो गई है और इसका सीधा असर उनकी सेहत पर पड़ रहा है। मोबाइल और कम्प्यूटर के कारण बच्चे अपना काफी सारा खेलने और पढ़ने का समय खो देते हैं। इससे समय का दुरपयोग होता है। मोबाइल हमें अपनों से भी दूर करते हैं। परिवारवालों से दूर हो जाते है। एक ही घर मैं सभी अजनबियों सा बर्ताव करने लगते हैं क्योंकि हर कोई मोबाइल से चिपका होता है, इसलिए संवाद की कमी होने लगती है।

कई बात इससे दुर्घटनाएँ भी होती है। गाड़ी चलाते समय लोग वाहन चलाते रहते हैं और दुर्घटनाओं को अंजाम दे देते हैं सड़क पार करते हुए लोग मोबाइल पर बात करते रहते है जिससे भी कई बार लोग दुर्घटनाओं

का शिकार हो जाते हैं। बच्चे इस से गलत आदत का शिकार भी हो रहे हैं अश्लील सन्देश, वीडियों बच्चों की कोमल भावनाओं को ठेस पहुँचाते हैं।

समय की माँग है कि इंटरनेट पर घटित हो रही अवांछित गतिविधियों पर यथाशीघ्र अंकुश लगाया जाय और इसके दुष्प्रयोग को रोकने के लिए कठोर वैधानिक प्रावधान लाए जायें। सबको इंटरनेट के साथ-साथ उसका उचित उपयोग करने के लिए प्रेरित करना चाहिए। मोबाइल और कम्प्यूटर समय की माँग हैं परन्तु इसके उचित उपयोग से ही हम विज्ञान के इस साधन का फ़ायदा उठा सकते हैं।

4. अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो" इस पंक्ति से आरम्भ करते हुए कोई कहानी लिखिए।

अरे मित्र ! "तुमने तो सिद्ध कर दिया कि तुम ही मेरे सच्चे मित्र हो।" मैं कितना खुशनसीब हूँ कि मुझे तुम जैसा मित्र प्राप्त हुआ। सच मैं रोहन, तुम न होते तो, मैं आज यह दिन न देख पाता। गणित शुरू से मेरा कमजोर विषय रहा है। इस वजह से हमेशा ही मुझे कक्षा में शिक्षकों और छात्रों के हँसी का पात्र बनना पड़ता था। फिर एक दिन तुमने हमारे विद्यालय में प्रवेश लिया और मेरी जिंदगी बदल गई पहले ही दिन तुम मेरी बगल में बैठे और मेरे अभिन्न मित्र बन गए। मैं सोचता था कि तुम जैसा होनहार मेरी मित्रता क्यों स्वीकार करेगा? पर नहीं तुम न केवल मेरे मित्र बने बल्कि तुमने मुझे अपनी कमजोरियों पर भी विजय प्राप्त करना सिखाया। सच में रोहन तुम्हें जैसे ही पता चला कि मुझे गणित में दिक़्कत तुमने मुझे इस विषय के प्रति मेरे डर भगाने में मेरी सहायता शुरू कर दी। स्कूलके बाद तुम मुझे गणित सिखाते और धीरे- धीरे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता गया और मैं गणित में विशेज्ञता हासिल करता गया। ये तुम्हारी ही मेहनत का ही परिणाम है कि मुझे इस वर्ष गणित में शत-

प्रतिशत अंक मिले। इसके पहले मेरे माता -पिता हमेशा तनाव ग्रस्त रहते थे कि मेरा क्या होगा? कैसे मैं बिना गणित के आगे बढ़ूँगा। रोहन तुमने न केवल मेरा बल्कि मेरा माता -पिता का जीवन भी खुशहाल बना दिया। मैं तहे दिल से तुम्हें धन्यवाद देना चाहता हूँ और यह कहना चाहता हूँ कि तुम इसी प्रकार मेरे दोस्त बने रहना।

5. प्रस्तुत चित्र को ध्यान से देखिए और चित्र को आधार बनाकर उसका परिचय देते हुए कोई लेख, कहानी अथवा घटना लिखिए जिसका सीधा व स्पष्ट सम्बन्ध चित्र से होना चाहिए।

प्रस्तुत चित्र में हमें चार बालिकाएँ कुछ बनाते हुए दिखाई दे रही हैं। जहाँ पर बैठकर वह यह कार्य कर रही वो बहुत ही छोटा और असुविधा जनक है। बाल मजदूरी भारत ही नहीं विदेशों में एक बड़ा मुद्दा है। गैर-जिम्मेदार माता-पिता की वजह से, या कम लागत में निवेश पर अपने फायदे को बढ़ाने के लिये मालिकों द्वारा जबरदस्ती बनाए गए दबाव की वजह से जीवन जीने के लिये जरुरी संसाधनों की कमी के चलते ये बच्चों द्वारा स्वत: किया जाता है, इसका कारण मायने नहीं रखता क्योंकि सभी कारकों की वजह से बच्चे बिना बचपन के अपना जीवन

जीने को मजबूर होते है। इन सभी को देखकर मुझे अपने दफ्तर के बाहर चायवाले के ठेले पर काम करते हुए मुनवा की याद आ जाती है। हम सहकर्मी करीब रोज ही चाय के शौक़ीन राजू चायवाले के ठेले पर पहुँच जाते थे। एक दिन अचानक एक मरियल सा लड़का हमारे सामने खड़ा हुआ और बोला बाउजी चाय। अरे! भाई, 'इस प्राणी को कहाँ से पकड़ लाये हम सभी सस्वर बोले।' राजू ने बताया आज सुबह जब वो चाय का ठेला खोलने आया तो यह नीचे सोया पड़ा था बस तब से ये मेरे साथ है। मुनवा की उम्र यही कोई बारह-तेरह वर्ष होगी, मैले कुचले कपड़े, नंगें पैर बड़ी फूर्ति से अपना काम संभाले जा रहा था उसे देखकर मैं सोचने लगा भाग्य की कैसी विंडबना है कहीं-कहीं इस उम्र के बच्चे अपने हाथ से पानी भी नहीं पीते और एक यह है कि इस उम्र में अपना पेट पालने को मजबूर हैं।

Q.2 Write a letter in Hindi in approximately 120 Words on any one of the topics given below : [7]

निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर हिन्दी में लगभग 120 शब्दों में पत्र लिखिए :

(i) आपके क्षेत्र में एक ही साधारण सा सरकारी अस्पताल है, जिसके कारण आम जनता को बहुत अधिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन परेशानियों का उल्लेख करते हुए, एक और सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का अनुरोध करते हुए स्वास्थ्य अधिकारी को पत्र लिखिए।

सेवा में

स्वास्थ्य अधिकारी

बिनसार

उत्तराखंड

विषय : सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने के संदर्भ में पत्र।

महोदय

मैं आपका ध्यान अपने क्षेत्र की ओर दिलाना चाहता हूँ हमारे क्षेत्र में सामान्य सा सरकारी अस्पताल है जहाँ पर अकसर कोई डॉक्टर मौजूद नहीं रहता। वहाँ किसी भी प्रकार की बीमारी की जाँच करने के उपकरण और दक्ष विषेशज्ञ भी मौजूद नहीं हैं। अस्पताल इतना छोटा है कि मरीजों को बाहर धूप में अपनी बारी का इंतजार करना पड़ता है। इसके कारण छोटी -छोटी बीमारियों के लिए भी कई किलोमीटर दूर बड़े अस्पताल जाना पड़ता है जिसके कारण स्थानीय नगरवासियों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ता है। रास्ते में ही कितने मरीजों की हालत बहुत अधिक बिगड़ जाती है अतः मेरा आपसे अनुरोध है कि हमारे इलाके में एक सुविधायुक्त सरकारी अस्पताल खुलवाने का कष्ट करें। आशा करता हूँ कि आप इस अनुरोध की ओर ध्यान देकर उचित कार्यवाही करेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय

कमल शर्मा

2/42, सरला निवास,

राम नगर,

बिनसार

उत्तराखंड

दिनाँक - 27 फरवरी 2017

(ii) ओलम्पिक में अपने देश के बढ़ते कदम देख कर आपको बहुत ही प्रसन्नता हो रही है। इस वर्ष के ओलम्पिक की उपलब्धियों को बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

102, मोहनगंज

गली नं - 5

रायपुर

दिनाँक - 2 अगस्त 2014

प्रिय कार्तिक

मधुर स्मृति।

मैं यहाँ पर सकुशल हूँ तथा तुम्हारी सकुशलता की कामना करता हूँ। मित्र मैं यह पत्र तुम्हें खास कर ओलम्पिक खेलों के बारे में बताने के लिए लिखा है क्योंकि मैंने सुना है तुम्हारा चयन राष्ट्र मंडल खेलों के लिए हुआ है। मैं तुम्हारी सफलता की कामना करता हूँ। कार्तिक मुझे यह जानकर हार्दिक प्रसन्नता हो रही है हमारा भारतवर्ष भी साल-दर साल ओलम्पिक में अपनी उपस्थिति दर्शा रहा है जैसा कि तुम्हें पता ही है ओलम्पिक खेल वर्तमान की प्रतियोगिताओं में अग्रणी खेल प्रतियोगिता है जिसमे हज़ारों एथेलीट कई प्रकार के खेलों में भाग लेते हैं। रियो ओलंपिक 2016 - 16 दिन तक चले खेलों के सबसे बड़े महाकुंभ में अमरीका ने 46 गोल्ड मेडलों के साथ कुल 121 पदक जीत कर अपना दबदबा कायम रखा। वहीं ग्रेट ब्रिटेन दूसरे और चीन तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने दो मेडल जीते। यह मैडल हमारे देश की दो लड़कियों, साक्षी मलिक और पीवी सिंधु ने जीता। ब्राजील के रियो में 5 अगस्त से शुरू हुए ओलंपिक खेलों की क्लोजिंग सेरेमनी 31 अगस्त को मारकाना स्टेडियम में हुई। अब अगला ओलंपिक 2020 में टोक्यो में होगा।

एक बार पुनः तुम्हें खेल चयन के लिए बधाई और ढेरों शुभकामनाएँ।

तुम्हारी यात्रा मंगलमय और आनंदमय हो।

शेष मिलने पर।

तुम्हारा मित्र

रवि

Q.3 Read the passage given below and answer in Hindi the questions that follow, using your own words as far as possible : [10]

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए। उत्तर यथासंभव आपके अपने शब्दों में होने चाहिए :

पंजाब में उस वर्ष भयंकर अकाल पड़ा था। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी, "महाराज के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।" यह घोषणा सुनते ही गाँवों व शहरों से जरुरतमंदो की भीड़ राजमहल में उमड़ पड़ी।

उन दिनों लाहौर में एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन रहते थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था। अँधेरा होने पर वह शाही भण्डार के दरवाजे पर पहुँचे। द्वार खुला था किसी तरह की कोई जाँच-पड़ताल नहीं हुई। उन्होंने बड़े संकोच से अपनी चादर को फैलाया, उसके कोने में थोड़ा सा अनाज बाँध लिया। ज्यादा अनाज उठाना उनके लिए मुश्किल था। इतने में पगड़ी बाँधे एक व्यक्ति वहाँ आया। उसने कहा, "भ्राताजी आपने तो काफी कम अनाज लिया है।" बूढ़े सज्जन ने कहा, "असल मे मैं बूढ़ा लाचार हूँ। इस अकाल में तो थोड़ा अनाज लेना ही सही है, जिससे सब जरुरतमंदो को मिल जाए।"

उस व्यक्ति ने बूढ़े की गठरी खोल दी। उसमें भरपूर अनाज भर दिया। बूढ़े सज्जन ने कहा, "मैं इतना अनाज नहीं उठा सकता और न ही इसकी मजदूरी का पैसा दे सकता हूँ।" इतने में उस अजनबी ने बूढ़े की गठरी अपने कन्धों पर ले ली और बूढ़े के पीछे-पीछे चल पड़ा। जब वे बूढ़े के घर द्वार पर पहुँचे तो वहाँ दो बच्चे उनकी प्रतीक्षा कर रहे थे। उन्हें देखते ही वे बोले - "बाबा,

कहाँ चले गए थे?" बूढ़ा खामोश रहा। अजनबी ने कहा, "घर में कोई बड़ा लड़का नहीं है?" वह बोला, "लड़का था लेकिन काबुल की लड़ाई में शहीद हो गया। अब बहू है तथा मेरे ये पोते हैं।" वह अजनबी बोला, "भाई जी धन्य है आप, जिनका बेटा देश के लिए शहीद हो गया।"

रोशनी में बूढ़े ने उस अजनबी को पहचान लिया। वे खुद महाराज रणजीत सिंह थे। बूढ़े ने पोतों से कहा, "इनके सामने दंडवत प्रणाम करो।" और स्वयं भी प्रणाम करने लगे और थोड़ी देर बाद बोले, "आज मुझसे बड़ा पाप हो गया। आपसे बोझा उठवाया।" "नहीं यह पाप नहीं, मेरा सौभाग्य था कि मैं शहीद के परिवार की सेवा कर सका। आप सबकी सेवा करना मेरा फ़र्ज है। अब आप जीवन भर हमारे साथ रहिए और हमें कृतार्थ कीजिए।"

1. राज्य को किस विपत्ति का सामना करना पड़ा था? उन दिनों वहाँ के राजा कौन थे और उन्होंने उस समस्या का क्या समाधान निकाला? [2]

   उत्तर : राज्य को अकाल का सामना करना पड़ा। उन दिनों वहाँ महाराणा रणजीत सिंह का राज था। उन्होंने यह घोषणा करवा दी कि उनके के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।

2. राजा ने राज्य में क्या घोषणा करवाई और क्यों [2]

   उत्तर : राजा ने राज्य में यह घोषणा करवा दी कि उनके के आदेश से शाही भण्डार-गृह हर जरूरतमंद के लिए खुला है। प्रत्येक जरूरतमंद एक बार में जितना उठा सके, ले जाए।

3. बूढ़े आदमी के बारे में आप क्या जानते हैं? उनका पूर्ण परिचय दीजिए। [2]

   उत्तर : बूढ़ा लाहौर के एक सद्गृहस्थ बूढ़े सज्जन थे। वे कट्टर सनातनी विचारों के थे। उन्होंने जीवन में कभी भी किसी के आगे अपना हाथ नहीं फैलाया था।

4. बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा अनाज ही क्यों लिया था? कारण स्पष्ट करते हुए बताइए कि उस अजनबी व्यक्ति ने उस बूढ़े की कैसे सहायता की? [2]

उत्तर : बूढ़े आदमी ने थोड़ा सा ही अनाज लिया क्योंकि वे बूढ़े थे और अधिक बोझ उठाने में असमर्थ थे।

एक अजनबी व्यक्ति ने जब यह देखा तो उन्होंने बूढ़े की सहायता का निश्चय किया। अजनबी व्यक्ति ने ढेर सारा अनाज उनकी पोटली में भर दिया और स्वंय उसे उसके घर तक छोड़ आते हैं।

5. इस गद्यांश से मिलने वाली शिक्षाओं पर प्रकाश डालिए। [2]

उत्तर : उपर्युक्त गद्यांश से हमें यह शिक्षा मिलती है कि एक राजा को कैसा होना चाहिए। राजा को सदैव अपनी प्रजा का ध्यान रखना चाहिए और विशेषकर देश के लिए प्राण अर्पण करने वाले शहीदों के परिवार का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए।

Q. 4 Answer the following according to the instructions given :

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर निर्देशानुसार लिखिए :

1. निम्नलिखित शब्दों में से किसी एक शब्द के दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : [1]
    - आनंद - हर्ष, मोद
    - पुत्र - सूत, बेटा
    - राक्षस - दानव, निशाचर

2. निम्नलिखित शब्दों में से दो शब्दों के विलोम लिखिए : [1]
    - आलस्य - स्फूर्ति
    - सदाचार - अनाचार
    - सामिष - निरामिष
    - कृत्रिम - प्राकृतिक

3. निम्नलिखित शब्दों में से किन्हीं दो शब्दों को शुद्ध कीजिए : [1]

- प्रतिस्टा - प्रतिष्ठा
- ग्रन्थ - ग्रंथ
- परीस्थती - परिस्थिति

4. निम्नलिखित मुहावरों में से किसी एक का वाक्य में प्रयोग कीजिए: [1]

अपना उल्लू सीधा करना, हाथ मलना।

अपना उल्लू सीधा करना - वोट मिल जाने के बाद नेता अपना उल्लू सीधा करने में लगे रहते हैं।

हाथ मलना - अब हाथ मलने से क्या फायदा यदि समय रहते अपने व्यवसाय पर ध्यान देते तो आज यह घाटे की नौबत न आती।

5. कोष्ठक में दिए गए निर्देशानुसार वाक्यों में परिवर्तन कीजिए :

(a) विद्यार्थी को जानने की इच्छा रखने वाला होना चाहिए। [1]

(रेखांकित शब्दों के स्थान पर एक शब्द का प्रयोग कीजिये।)

उत्तर : विद्यार्थी को जिज्ञासु होना चाहिए।

(b) इतनी आयु होने पर भी वह विवाहित नहीं है। [1]

('नहीं' हटाइए परन्तु वाक्य का अर्थ न बदले।)

उत्तर : इतनी आयु होने पर भी वह अविवाहित है।

(c) रात में सर्दी बढ़ जाएगी। [1]

(अपूर्ण वर्तमान काल में बदलिए)

उत्तर : रात में सर्दी बढ़ती जा रही है।

(d) अन्याय का सब विरोध करते हैं। [1]

(रेखांकित का विशेषण लिखते हुए वाक्य पुन: लिखिए)

उत्तर : अन्यायी का सब विरोध करते हैं।

SECTION - B (40 Marks)

Attempt four questions from this section.

You must answer at least **one** question from each of **two** books you have studied and any **two** other questions.

(साहित्य सागर - संक्षिप्त कहानियाँ)

(Sahitya Sagar – Short Stories)

Q.5 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"उसने कोई बहाना न बनाया। चाहता तो कह सकता कि यह साजिश है। मैं नौकरी नहीं करना चाहता इसीलिए हलवाई से मिलकर मुझे फँसा रहे हैं, पर एक और अपराध करने का साहस वह न जुटा पाया। उसकी आँखे खुल गई थीं।"

[बात अठन्नी की - सुदर्शन]

[Baat Athanni Ki - Sudarshan]

1. किसे कौन फँसा रहा था? उसने क्या अपराध किया था? [2]

उत्तर : इंजीनियर बाबू जगतसिंह अपने नौकर रसीला को फँसा रहे थे। रसीला वर्षों से इंजीनियर जगत सिंह का नौकर था। उसने कभी कोई बेईमानी नहीं की थी। परंतु इस बार भूलवश अपना अठन्नी का कर्ज चुकाने के लिए उसने अपने मालिक के लिए पाँच रूपए की जगह साढ़े चार रुपए की मिठाई खरीदी और बची अठन्नी रमजान को देकर अपना कर्ज चुका दिया और इसी आरोप में रसीला के ऊपर इंजीनियर जगत सिंह ने मुकदमा दायर कर दिया था।

2. रसीला कौन है? उसका परिचय दीजिये। [2]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की प्रार्थना करता था।

3. हमें अपने नौकरों से कैसा व्यवहार करना चाहिए? कहानी के आधार पर उदाहरण देकर समझाइए। [3]

उत्तर : रसीला इंजीनियर बाबू जगतसिंह का नौकर था। वह सालों से इंजीनियर बाबू जगतसिंह के यहाँ नौकर था। उसे दस रूपए वेतन मिलता था। गाँव में उसके बूढ़े पिता, पत्नी, एक लड़की और दो लड़के थे। इन सबका भार उसी के कंधों पर था। इसी कारण वह बार-बार अपने मालिक इंजीनियर बाबू जगतसिंह से अपना वेतन बढ़ाने की माँग करता था। परंतु हर बार इंजीनियर साहब का यही जवाब होता था कि वे रसीला की तनख्वाह नहीं बढ़ाएँगे यदि उसे यहाँ से ज्यादा और कोई तनख्वाह देता है तो वह बेशक जा सकता है। इंजिनियर बाबू को अपने नौकर रसीला के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करना चाहिए था। रसीला एक ईमानदार नौकर था और यदि इंजिनियर बाबू उसका वेतन बढ़ा देते तो उसे मामूली अठन्नी के लिए चोरी नहीं करनी पड़ती।

4. इस कहानी में लेखक ने समाज की कौन-सी बुराई को प्रकट करने का प्रयास किया है? क्या वे अपने प्रयास में सफल हुए? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : बात अठन्नी की कहानी में लेखक पूर्णतया अपनी बात सिद्ध करने में सफल हुए हैं। प्रस्तुत पाठ में लेखक ने समाज में व्याप्त भ्रष्टाचार और घूसघोरी की ओर संकेत किया है। शेख साहब और इंजिनियर बाबू घूस लेते हैं, परंतु ऊँचे ओहदे पर होने के कारण कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ पाता दूसरी ओर मामूली अठन्नी की चोरी के लिए गरीब रसीला को सजा हो जाती है।

Q.6 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए तथा उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"नेताजी सुंदर लग रहे थे। कुछ-कुछ मासूम और कमसिन। फौजी वर्दी में। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और 'तुम मुझे खून दो.......' वगैरह याद आने लगते थे। इस दृष्टि में यह सफल और सराहनीय प्रयास था। केवल एक चीज़ की कसर थी जो देखते ही खटकती थी।"

[नेताजी का चश्मा - स्वयं प्रकाश]

[Netaji Ka Chasma - Swayam prakash]

1. मूर्ति किसकी थी और वह कहाँ लगाई गई थी। [2]

उत्तर : मूर्ति नेताजी सुभाष चंद्र बोस की थी और नगर के मुख्य चौराहे पर लगाई गई थी

2. यह मूर्ति किसने बनाई थी और इसकी क्या विशेषताएँ थी? [2]

उत्तर : मूर्ति उसी कस्बे के स्थानीय विद्यालय के मास्टर मोतीलाल ने बनाई थी। उस मूर्ति की विशेषता यह थी कि मूर्ति संगमरमर की थी। टोपी की नोक से कोट के दूसरे बटन तक कोई दो फुट ऊँची

और सुंदर थी। नेताजी फौजी वर्दी में सुंदर लगते थे। मूर्ति को देखते ही 'दिल्ली चलो' और तुम मुझे खून दो... आदि याद आने लगते थे। केवल एक चीज की कसर थी जो देखते ही खटकती थी नेताजी की आँख पर संगमरमर चश्मा नहीं था बल्कि उसके स्थान पर सचमुच के चश्मे का चौड़ा काला फ्रेम मूर्ति को पहना दिया गया था ।

3. मूर्ति में क्या कमी थी? उस कमी को कौन पूरा करता था और कैसे? [3]

उत्तर : मूर्ति में केवल यह कमी थी कि नेताजी का चश्मा नहीं था इस कमी को कैप्टन पूरा करता था मूर्ति का चश्मा हर-बार कैप्टन बदल देता था। कैप्टन असलियत में एक गरीब चश्मेवाला था। उसकी कोई दुकान नहीं थी। फेरी लगाकर वह अपने चश्मे बेचता था। जब उसका कोई ग्राहक नेताजी की मूर्ति पर लगे फ्रेम की माँग करता तो कैप्टन मूर्ति पर अन्य फ्रेम लगाकर वह फ्रेम अपने ग्राहक को बेच देता। इस उस कैप्टन चश्में की कमी को कमी पूरा करता था।

4. नेताजी का परिचय देते हुए बताइए कि चौराहे पर उनकी मूर्ति लगाने का क्या उद्धेश्य रहा होगा? क्या उस उद्धेश्य में सफलता प्राप्त हुई? स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : नेताजी हमारे देश के एक महान स्वतंत्रता सेनानी थे। उन्होंने देश को आजाद करवाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका अदा की है और इसी को स्मरणीय और सम्मान देने के लिए कस्बे के चौराहे पर उनकी मूर्ति लगवाई गई थी। मूर्ति में केवल एक कमी चश्मे की रह गई थी। पर उसको भी साधारण फेरी लगाने वाला कैप्टन अपनी

क्षमतानुसार पूरी करता रहता था। यहाँ तक कि जब उसकी मौत भी हो जाती है तो कस्बे के बच्चे सरकंडे का चश्मा लगाकर उस कमी को पूरा करते हैं। इससे यह साबित होता है कि कस्बे पर मूर्ति लगाने का उद्देश्य पूरा हुआ।

Q 7 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"बड़े भोले हैं आप सरकार ! अरे मालिक, रूप-रंग बदल देने से तो सुना है आदमी तक बदल जाते हैं। फिर ये तो सियार है।"

[भेड़े और भेड़िए - हरिशंकर परसाई]

[Bhede Aur bhedeya - Hari Shankar Parsai]

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे क्यों कह रहा है? [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन बूढ़ा सियार भेड़िये से कह रहा है। उपर्युक्त कथन बूढ़ा सियार भेड़िये के मन में सियारों के प्रति उपजी शंका के समाधान में कहता है कि सियार के अनुसार आदमी तक बदल जाते हैं तो ये तो सियार हैं इन्हें तो आसानी से बदला जा सकता है।

2. बूढ़े सियार ने भेड़िये का रूप किस प्रकार बदला? [2]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने भेड़िये को एक संत के रूप में बदल दिया उसने भेड़ों के सामने उसे उनका हितचिंतक और शुभचिंतक के रूप में पेश किया।

3. बूढ़े सियार ने किन तीन बातों का ख्याल रखने के लिए कहा? क्यों कहा?[3]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए बूढ़े सियार ने अपने साथियों को रंगने के बाद भेड़िये के रूप को भी बदला।

भेड़िये का रूप बदलने के बाद बूढ़े सियार ने उसे तीन बातें याद रखने की सलाह दी कि वह अपनी हिंसक आँखों को ऊपर न उठाए, हमेशा जमीन की ओर ही देखें और कुछ न बोलें और सब से जरुरी बात सभा में बहुत-सी भेड़ें आएगी गलती से उनपर हमला न कर बैठना।

4. सियारों को किन-किन रंगों में रंगा गया? वे किसके प्रतिक थे? इस कहानी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

उत्तर : अपनी योजना को सफल बनाने के लिए सियार ने तीन सियारों को क्रमशः पीले, नीले और हरे में रंग दिया और भेड़ों के सामने उनका परिचय इस प्रकार दिया कि पीले रंगवाला सियार विद्वान,विचारक,कवि और लेखक है, नीले रंगवाले सियार को नेता और स्वर्ग का पत्रकार बताया गया और वहीँ हरे रंगवाले सियार को धर्मगुरु का प्रतीक बताया गया।

'भेड़ और भेड़िये' कहानी हमें राजनीतिज्ञों के षडयंत्रों तथा अपने चुनाव के अधिकार के सही प्रयोग करने का संदेश देता है। भोली-भाली जनता को नेता और उनके चापलूस मिलकर गुमराह करते रहते हैं अत: जनता की चाहिए कि वे सतर्क और सावधान रहकर अपने अधिकारों का प्रयोग करें।

(साहित्य सागर पद्य)

Q.8 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।
आगे-आगे नाचती-गाती बयार चली
दरवाजे-खिड़कियाँ खुलने लगी गली-गली
पाहुन ज्यों आये हों गाँव में शहर के।
मेघ आये बड़े बन-ठन के, सँवर के।"

[मेघ आए - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना]

[Megh Aaye - Sarveshwar Dayal Saxena]

1. मेघ कहाँ आए हुए हैं? कवि को मेघ देखकर क्या प्रतीत हो रहा है? [2]

उत्तर : मेघ गाँव में आये हुए हैं। मेघों को देखकर ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे कोई शहरी दामाद सज संवरकर गाँव में आये हैं और दामाद के आने से पूरे गाँव में उत्साह का माहौल छा गया है।

2. 'बयार' शब्द से आप क्या समझते हैं? कवि इसके बारे में क्या बताना चाहता है? [2]

उत्तर : 'बयार' शब्द का अर्थ है हवा का बहना। कवि यहाँ पर बयार के बारे में यह बताना चाहता है कि बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे किसी आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं।

3. दरवाजे-खिड़कियाँ क्यों खुलने लगी हैं? किसका स्वागत कहाँ पर किस प्रकार किया जाने लगा है? कवि के भाव स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : गाँव में आये नए मेहमान को देखने के लिए दरवाजे और खिड़कियाँ खुलने लगी।

यहाँ पर मेघ रूपी मेहमान का गाँव के दामाद के रूप में स्वागत किया जाने लगा। गाँव के बड़े बुजुर्ग से लेकर छोटे बड़े सभी मेहमान के स्वागत में जुट जाते हैं। सभी अपने-अपने ढंग से उसकी ख़ातिरदारी या आवभगत करते हैं। मेहमान की अगवानी में कोई बुज़ुर्ग व्यक्ति आगे आता है। बड़ी-बूढ़ी महिलाएँ भी पर्देदारी का निर्वाह करती हैं। युवकों में मेहमान के प्रति जिज्ञासा होती है। सभी उनका हार्दिक स्वागत करते हैं। स्वागत के क्रम में सबसे पहले परात में पानी लाकर मेहमान के 'पाँव-पखारे' जाते हैं अर्थात् धोए जाते हैं।

4. कविता का केंद्रीय भाव लिखिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत कविता में मेघ के आने से वातावरण में छाए उल्लास का वर्णन किया गया है कि किस प्रकार बहुत प्रतीक्षा के बाद मेघ आते हैं तो वातावरण में किस प्रकार परिवर्तन होने लगता है बादलों के आते ही हवा या बयार के साथ धूल भी उड़ने लगती है। यह उड़ती धूल मेघ के आने की प्रथम सूचना देती है। हवा के झकोंरों से घर के दरवाज़े और खिड़कियाँ खुलने-बन्द होने लगते हैं। लगता है जैसे किसी आगंतुक मेहमान को देखने लिए सभी उत्सुक हैं। पेड़-पौधे सभी झूमने लगते हैं और बरसात के होते ही सभी की प्यास बुझ जाती है और सभी प्रसन्न हो जाते हैं।

Q.9 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"गुरु गोविंद दोऊ खड़े काके लागू पायँ।"
बलिहारी गुरु अपनो जिन गोविंद दियौ बताय।।
जब मैं था तब हरि नहीं, अब हरि हैं मैं नाहि।
प्रेम गली अति साँकरी, तामे दो न समाहि।।

[साखी - कबीर दास]
[Sakhi - Kabir Das]

1. कवि किसके बारे में क्या सोच रहे हैं? [2]

उत्तर : कबीर यहाँ पर गुरु के बारे में सोच रहें हैं कबीर के अनुसार गुरु का स्थान ईश्वर से श्रेष्ठ है। कबीर कहते है जब गुरु और गोविंद (भगवान) दोनों एक साथ खड़े हो तो गुरु के श्रीचरणों मे शीश झुकाना उत्तम है जिनके कृपा रुपी प्रसाद से गोविंद का दर्शन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

2. कवि किसके ऊपर न्योछावर (समर्पण) हो जाना चाहते हैं तथा क्यों? [2]

उत्तर : कवि अपने गुरु पर न्योछावर होना चाहते हैं। क्योंकि गुरु ज्ञान प्रदान करते हैं, सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं, मोह-माया से मुक्त कराते हैं।

3. ईश्वर का वास कहाँ नहीं होता है? कवि हमें क्या त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं? कवि का संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए। [3]

उत्तर : ईश्वर का वास जहाँ अंहकार होता है वहाँ नहीं होता है कवि हमें अहंकार त्यागने की प्रेरणा दे रहे हैं। प्रस्तुत साखी के कवि संत कबीर हैं। कबीर साधु-सन्यासियों की संगति में रहते थे। इस कारण उनकी भाषा में अनेक भाषाओँ तथा बोलियों के शब्द पाए जाते हैं। कबीर की भाषा में भोजपुरी, अवधी, ब्रज, राजस्थानी, पंजाबी, खड़ी बोली, उर्दू और फ़ारसी के शब्द घुल-मिल गए हैं। अत: विद्वानों ने उनकी भाषा को सधुक्कड़ी या पंचमेल खिचड़ी कहा है।

4. साँकरी शब्द का क्या अर्थ है? प्रेम गली से कवि का क्या तात्पर्य है? उसमें कौन दो एक साथ नहीं रह सकते हैं समझाइए। [3]

उत्तर : साँकरी शब्द यह अर्थ है कि ह्रदय रूपी प्रेम गली इतनी संकरी है जिसमें दोनों में से सिर्फ एक ही समा सकते हैं। प्रेमगली से तात्पर्य मनुष्य के ह्रदय से है। इस प्रेम रूपी गली मैं ईश्वर और मनुष्य का अंहकार साथ नहीं रह सकते हैं जिस प्रकार अँधेरा और उजाला एक साथ, एक ही समय, कैसे रह सकते हैं? जब तक मनुष्य में अज्ञान रुपी अंधकार छाया है वह ईश्वर को नहीं पा सकता अर्थात् अहंकार और ईश्वर का साथ-साथ रहना नामुमकिन है। यह भावना दूर होते ही वह ईश्वर को पा लेता है।

Q.10 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित पद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

सुनूँगी माता की आवाज़
रहूँगी मरने को तैयार।
कभी भी उस वेदी पर देव
न होने दूँगी अत्याचार।।
न होने दूंगी अत्याचार
चलो, मैं हों जाऊँ बलिदान
मातृ मंदिर से हुई पुकार,
चढ़ा दो मुझको, हे भगवान।।

[मातृ मंदिर की ओर - सुभद्रा कुमारी चौहान]

[Matri Mandir Ki Or - Subhadra Kumari Chauhan]

1. 'मातृ मंदिर' से क्या तात्पर्य है? वहाँ से कवयित्री को क्या पुकार सुनाई दे रही है? [2]

   उत्तर : 'मातृ मंदिर' से यहाँ तात्पर्य देश से है। वहाँ से कवयित्री को देश पर प्राण न्योछावर होने की पुकार सुनाई दे रही है।

2. कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए क्या करने को तैयार है और क्यों? [2]

   उत्तर : कवयित्री अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राण तक त्यागने के लिए तैयार है। कवयित्री अपनी मातृभूमि को अपनी माँ सामान मानती है और वह अपने देश पर किसी भी प्रकार का अत्याचार नहीं सहन कर सकती।

3. मंदिर तक पहुँचने के मार्ग में कवियित्री को किन-किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है? [3]

उत्तर : मंदिर तक पहुँचने के लिए कवयित्री को अनेकों कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है मंदिर की ऊँची सीढ़ियाँ हैं और उनके पैर दुर्बल हैं। साथ ही मार्ग के पहरेदार भी बाधक बने हुए हैं।

4. प्रस्तुत पद्यांश में कवियित्री की किस भावना को दर्शाया गया है? वह इस कविता के माध्यम से पाठकों को क्या संदेश देना चाहती हैं? [3]

उत्तर : प्रस्तुत पद्यांश में कवयित्री की देश प्रेम की भावना को दर्शाया गया है। इस कविता द्वारा कवयित्री यही संदेश देना चाहती है कि देश की आन पर यदि कभी संकट आये तो हमें अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए तैयार रहना चाहिए।

नया रास्ता (सुषमा अग्रवाल)

(Naya Rasata - Sushma Agarwal)

Q.11 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"माँ को लगा, शायद अमित सरिता के रिश्ते को तैयार नहीं है। इसलिए वह बोली", "बेटे, व्यवहार का तो किसी का भी पता नहीं है। न सरिता के बारे में ही कुछ कहा जा सकता है और न ही मीनू के बारे में व्यवहार का तो साथ रहने पर ही पता चलता है।"

1. माँ को कैसे पता चलता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं हैं? [2]

उत्तर : अमित बार-बार मीनू और सरिता के व्यवहार के बारे में बात करता है तो माँ को लगता है कि अमित सरिता के रिश्ते के लिए तैयार नहीं है।

2. अमित के पिता मायाराम जी सरिता के रिश्ते को क्यों नहीं स्वीकार करना चाहते है? [2]

उत्तर : सरिता के पिता ने मायारामजी के सामने कुछ ऐसी शर्तें रखी जो उन्हें मान्य नहीं थीं इसलिए वे इस रिश्ते को स्वीकार करना नहीं चाहते थे।

3. अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ किसको और क्यों उकसाती है? माँ की ऐसी धारणा से उनके स्वभाव के बारे में क्या पता चलता है? समझाकर लिखिए। [3]

उत्तर : अमित और सरिता का रिश्ता तय होने के लिए माँ अमित को उकसाती है। वे तरह-तरह से अमित को उकसाती हैं कि हम किसी के स्वभाव के बारे में कुछ नहीं कह सकते जब तक कि हम उनके साथ न रहे इससे उनके स्वार्थी और लालची और संवेदहीन स्वभाव के बारे में पता चलता है। वे केवल अमित से सरिता का रिश्ता इसलिए करवाना चाहती हैं क्योंकि वह अमीर है। उन्हें अपने बेटे की इच्छा अनिच्छा से कुछ लेना देना नहीं है।

4. शादी के विषय में समाज की क्या परम्परा है? आप इससे कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट कीजिए। [3]

उत्तर : शादी के विषय में हमारे समाज में दोगली राय होती है। यदि लड़का कुँवारा रहे तो कोई उसे कुछ नहीं कहता परंतु लड़की

कुँवारी रही तो समाज उसे जीने नहीं देता। बार- बार उसके सामने यही प्रश्न दोहराया जाता है कि वह विवाह क्यों नहीं कर रही है।

Q.12 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ है। मीनू को देखकर उन्होंने उसे प्रेमपूर्वक बैठाया। उसे देखकर अमित के मुरझाये चेहरे पर भी खुशी की लहर दौड़ गई।"

1. मीनू अमित को देखने कहाँ गई थी? जाते समय वह मन में क्या सोच रही थी? [2]

   उत्तर : मीनू को अमित के एक्सीडेंट की खबर मिलती है तो वह उसे मिलने के लिए अस्पताल जाती है। रास्ते भर यह सोचती है कि जिस लड़के ने उसका रिश्ता ठुकराया वह उसी लड़के से क्यों मिलने जा रही है

2. कमरे में प्रवेश करते ही उसने क्या देखा? अमित की माँ ने मीनू से क्या पूछा? उसने क्या उत्तर दिया? [2]

   उत्तर : मीनू ने अमित के कमरे में प्रवेश किया, तो देखा कि अमित अपने पलंग पर लेटा हुआ अपनी माँ से बातें का रहा था। अमित की माँ मीनू को प्रेमपूर्वक बैठाती है और उसके बारे में पूछताछ करती है। पूछताछ करने पर उन्हें पता चलता है कि मीनू ने वकालत पास कर ली और प्रैक्टिस कर रही है।

3. मीनू के वकालत पास करने पर अमित की माँ को विशेष खुशी क्यों हो रही थी? क्या उन्हें अपनी गलती का अहसास हो गया था? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिये। [3]

उत्तर : अमित का एक्सीडेंट हो गया था और ऐसे में वही लड़की जिसे इन लोगों के पैसों के खातिर ठुकरा दिया था अमित से मिलने आती है। और पूछताछ करने पर जब उन्हें पता चलता है कि वह कोई साधारण लड़की न होकर वकील है तो अमित की माँ बड़ी खुश होती है। और उस समय अमित की माँ को अपनी गलती का अहसास होता है कि इतनी गुणी लड़की का रिश्ता ठुकरा कर उसने अच्छा नहीं किया।

4. मीनू के हृदय में बचपन से ही किसके प्रति दया की भावना थी? वह उनकी किस प्रकार सहायता करने का निश्चय कर रही है? [3]

उत्तर : मीनू के हृदय में बचपन से ही समाज के दबे कुचले और निर्धनों के प्रति दया की भावना थी और शादी के बाद भी वह इन लोगों की सहायता का निश्चय कर रही थी।

Q.13 Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow :

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

अमित का नाम सुनते ही दरवाजे की ओर पीठ किए बैठी मीनू ने मुड़कर देखा तो वह आश्चर्यचकित रह गई। मीनू जब भी अमित को देखती, उसके मन में अजीब सी घृणा उत्पन्न हो जाती। अमित व उसके सभी मित्र वहाँ आ चुके थे परन्तु मीनू अभी भी सोच में डूबी हुई थी।

1. मीनू इस समय कहाँ थी? वहाँ अमित से उसकी कैसे मुलाकात हो गई?[2]

उत्तर : मीनू इस समय उसकी अभिन्न सहेली के नीलिमा बेटे के नामकरण संस्कार में शामिल होने के लिए नीलिमा के घर पर है। अमित नीलिमा के पति सुरेन्द्र का घनिष्ठ मित्र होने के नाते वह भी उनके बेटे के नामकरण संस्कार में शामिल होने आया था और इस तरह से वहाँ पर अमित और मीनू की मुलाक़ात हो जाती है।

2. मीनू और अमित के बीच क्या सम्बन्ध था? वह उससे घृणा क्यों करती थी? [2]

उत्तर : वैसे तो मीनू और अमित के बीच में कोई पारस्परिक कोई संबंध नहीं था परन्तु अमित वही लड़का था जिसने उसका रिश्ता ठुकराया था इसी कारण वह उससे घृणा करती थी।

3. उसे वहाँ किस सच्चाई का पता चला? उन बातों का उसपर क्या प्रभाव पड़ा? [3]

उत्तर : उसे वहाँ पर इस सच्चाई का पता चलता है कि उससे रिश्ता तोड़ने के लिए अमित कतई तैयार नहीं था केवल अपने माता-पिता की आज्ञा का सम्मान करने के लिए उसने यह रिश्ता ठुकराया था परन्तु उसने अभी तक कोई विवाह नहीं किया है और वह अभी तक मीनू को नहीं भूला है। इन बातों से मीनू के मन में अमित के प्रति घृणा प्रेम में बदल जाती है।

4. "मीनू परिस्थितियों से हार मानने वाली कोई साधारण नारी नहीं थी" - स्पष्ट कीजिए कि उसने अपने जीवन को कैसे नई दिशा दी? [3]

उत्तर : मीनू का रंग-रूप साँवला होने के कारण उसका रिश्ता हर बार ठुकराया जाता है परंतु इससे मीनू अपने आत्मविश्वास में कोई कमी आने नहीं देती। वह जी जान से अपनी वकालत की पढ़ाई

पूरी करती है और एक सफल वकील बनती है और अपने जीवन को एक नई दिशा देती है।

एकांकी संचय

(Ekanki Sanchay)

Q.14. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"दहेज़ देना तो दूर, बारात की खातिर भी ठीक से नहीं की गई। मेरे नाम पर जो धब्बा लगा, मेरी शान में जो ठेस पहुँची, भरी बिरादरी में जो हँसी हुई, उस करारी चोट का घाव आज भी हरा है। जाओ, कह देना अपनी माँ से कि अगर बेटी को विदा कराना चाहती है तो पहले उस घाव के लिए मरहम भेजे।"

[बहू की विदा - विनोद रस्तोगी]

[Bahu Ki Vida - Vinod Rastogi]

1. प्रस्तुत कथन किसने, किससे कहा? संदर्भ सहित उत्तर लिखिए। [2]

उत्तर : प्रस्तुत कथन जीवनलाल ने प्रमोद से कहा है। प्रमोद अपनी बहन को विदा करवाने आया है परंतु जीवनलाल बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहते क्योंकि विवाह में प्रमोद में उन्हें मुँह माँगा दहेज़ नहीं दिया।

2. 'मरहम' का क्या अर्थ है? यहाँ मरहम से क्या तात्पर्य है? स्पष्ट कीजिए।[2]

उत्तर : यहाँ पर 'घाव के लिए मरहम भेजने' का आशय दहेज से है। जीवन लाल शादी में कम दहेज मिलने के घाव को पाँच हजार रूपी मरहम देकर दूर करने कहते हैं।

3. वक्ता के चरित्र की विशेषताएँ लिखिए। [3]

उत्तर : यहाँ वक्ता जीवन लाल है। जीवन लाल अत्यंत लोभी, लालची और असंवेदनशील व्यक्ति है। वह अपनी बहू की विदा इसलिए नहीं करना चाहता क्योंकि दहेज़ में उसे मुँहमाँगे रुपये नहीं मिले। उसे पैसों का भी बहुत घमंड है और अपनी तारीफ़ खुद ही करते हुए कहता है कि उसने अपनी बेटी का विवाह बड़े धूमधाम से किया।

4. प्रस्तुत एकांकी में किस समस्या को उठाया गया है? उस समस्या को दूर करने के लिए क्या-क्या कदम उठाए जा रहे हैं? अपने विचार दीजिए। [3]

उत्तर : प्रस्तुत एकांकी में दहेज़ की समस्या को उठाया गया है। दहेज़ प्रथा को रोकने के लिए सरकार द्वारा कई कानून बनाए गए हैं इसकी शिकायत मिलने पर कड़ा जुर्माना और करावास का प्रावधान है। लड़कियाँ आज शिक्षित और आत्म-निर्भर होने के कारण स्वयं दहेज लेने वाले परिवार को ठुकराया रही है आज अंतर्जातीय विवाह होने लगे हैं जिसमें लड़का और लड़की समान विचार धारा के होने के कारण दहेज के लिए कोई स्थान ही नहीं बचता है।

Q.15. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - यह हमारे जीवन का मूलमंत्र है। जो तीर तरकश से निकलकर कमान से छूट गया, उसे बीच में लौटाया नहीं जा सकता। मेरी प्रतिज्ञा कठिनाई से पूरी होगी, यह मैं जानता हूँ और इस बात की हाल के युद्ध में पुष्टि भी हो चुकी है कि हाड़ा जाति वीरता में हम लोगों से किसी प्रकार हीन नहीं है।"

[मातृभूमि का मान - हरिकृष्ण 'प्रेमी']

[Matri Bhoomi Ka Man - Hari Krishna 'Premi']

1. उपरोक्त कथन के वक्ता और श्रोता का संक्षिप्त परिचय दीजिए। [2]

उत्तर : उपरोक्त कथन के वक्ता महाराणा लाखा हैं। वे मेवाड़ के शासक हैं। और श्रोता मेवाड़ के सेनापति अभय सिंह हैं।

2. वक्ता ने क्या प्रतिज्ञा ली थी? कारण सहित लिखिए। [2]

उत्तर : वक्ता में यह प्रतिज्ञा ली है कि जब तक वे बूंदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं कर लेते तब तक वे अन्न- जल ग्रहण नहीं करेंगे। इस प्रतिज्ञा का यह कारण था कि बूंदी में महाराजा की अधीनता की अस्वीकार कर दिया था और उन्हें युद्ध भूमि से भागने पर मजबूर कर दिया था।

3. हाड़ा वंश के राजा कौन थे? हाड़ा लोगों की क्या विशेषताएँ थीं? उनपर प्रकाश डालिए। [3]

उत्तर : हाड़ा वंश के राजा राव हेमू थे। हाड़ा लोग बहुत ही शूरवीर और बलशाली थे। प्रेम के अनुशासन को मानने वाले हाड़ा शक्ति से किए गए अनुशासन को नहीं मानते थे। हाड़ा अपनी मातृभूमि का अपमान कतई सहन नहीं कर सकते थे। अपनी मातृभूमि की रक्षा करने के लिए वे अपने प्राणों की बाजी लगा देने से भी नहीं चुकते थे।

4. 'प्राण जाएँ पर वचन न जाएँ' - इस कहावत का क्या अर्थ है? एकांकी के सन्दर्भ प्रकाश डालिए। [3]

उत्तर : इस कहावत का यह अर्थ है कि वचन के पालन करने में यदि प्राणों का बलिदान भी देना पड़े तो पीछे नहीं हटना चाहिए। महाराणा ने जब प्रतिज्ञा ली कि जब तक वे बूंदी के दुर्ग में ससैन्य प्रवेश नहीं कर लेते तब तक वे अन्न- जल ग्रहण नहीं करेंगे। तो उन्हें पता था कि उनकी यह प्रतिज्ञा बड़ी कठिनाई से पूरी होगी परन्तु एक बार जो ठान लिया तो अब पीछे नहीं हटा जा सकता था।

Q.16. Read the extract given below and answer in Hindi the questions that follow:

निम्नलिखित अवतरण को पढ़िए और उसके नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर हिन्दी में लिखिए :

"मेरी आकाँक्षा है कि डालियाँ साथ-साथ फलें-फूलें, जीवन की सुखद, शीतल वायु के स्पर्श से झूमें और सरसराएँ। विटप से अलग होने वाली डाली की

कल्पना ही मुझे सिहरा देती है।"

[सूखी डाली - उपेन्द्र नाथ 'अश्क']

[Sookhi Dali - Upendra Nath 'Ashk']

1. उपर्युक्त कथन कौन, किससे किस संदर्भ में कह रहा है? [2]

   उत्तर : उपर्युक्त कथन घर के दादाजी इंदु तथा मझंली बहू से घर की छोटी बहू बेला के संदर्भ में कह रहे हैं।

2. सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से क्या आशय है? 'डालियाँ' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? [2]

   उत्तर : सब डालियाँ साथ-साथ फलने-फूलने से यहाँ आशय परिवार के एक साथ मिलजुलकर रहने से है। यहाँ पर डालियाँ परिवार के प्रत्येक सदस्य के लिए प्रयुक्त हुआ है।

3. किसकी आकांक्षा है कि सब खुशहाल रहें और क्यों? इस एकांकी से आपको क्या शिक्षा मिलती है? [3]

   उत्तर : घर के दादाजी की यह इच्छा है कि परिवार खुशहाल रहे। इस एकांकी से हमें यह शिक्षा मिलती है कि परिवार जब एक-साथ मिलजुलकर रहता है तो खुशहाल रहता है।

4. प्रस्तुत कथन से वक्ता की किस चारित्रिक विशेषता का पता चलता है? अपने विचार भी प्रस्तुत कीजिये। [3]

   उत्तर : प्रस्तुत कथन से वक्ता के सामंजस्य पूर्ण, व्यवहार कुशलता विशेषता का पता चलता है। घर के दादाजी सारे परिवार को एक साथ रखना चाहते थे। इसलिए घर में सभी लोगों को अपने विचारों से हमेशा जोड़कर रखते हैं। दादाजी उन विचारों को

मानने वाले थे कि समय रहते ही समस्या का समाधान कर देना चाहिए। और उनके इसी व्यवहार कुशलता के कारण वे अपने घर को एक साथ बाँध कर रख पाते हैं।